एस० एस० कॉलेज
विभाग हिन्दी
विषय – हिन्दी रचनात्मक, स्नातक भाग-1
शिक्षण माध्यम – व्हाट्स एप
समय 11.00 to 12.00
शिक्षक – डॉ० रमेश शर्मा

पाठ :– वाक्य संशोधन

आज का प्रस्तुत पाठ 'वाक्य संशोधन' वाक्य-रचना के सामान्य नियमों से जुड़ा हुआ है। वाक्य संशोधन से तात्पर्य सम्यक् रूप से वाक्य को शोध कर अपना शुद्ध रूप में लिखना 'वाक्य-संशोधन' कहा जाता है। शुद्ध वाक्य लिखने के कुछ सामान्य नियम हैं जिन्हें जानना अति आवश्यक है। प्राय: अभिव्यक्ति अथवा अभिलेखन की जल्दबाजी में हमलोग जानते हुए भी अशुद्ध वाक्य-रचना कर जाते हैं। इस स्थिति से बचने के लिए तीन बातों पर ध्यान रखना आवश्यक हो जाता है —— (क) क्रम (ख) अन्वय और (ग) प्रयोग से जुड़े कुछ सामान्य नियम।

(क) क्रम — किसी वाक्य के सार्थक शब्दों को यथास्थान रखने की क्रिया को क्रम ~~कहते~~ अथवा पदक्रम कहते हैं। इस कुछ नियम इस प्रकार हैं——

1. हिन्दी वाक्य के आरम्भ में कर्ता मध्य में कर्म और अन्त में क्रिया होनी चाहिए। जैसे :– राम ने भोजन किया। यहाँ कर्ता - राम, कर्म - भोजन और अंत में क्रिया 'किया' है।
2. कर्ता के विस्तार को कर्ता के पहले और क्रिया के विस्तार को क्रिया के पहले रखना चाहिए। यहाँ विस्तार से तात्पर्य विशेषण से है जैसे – अच्छे बच्चे धीरे-धीरे पढ़ते हैं।
3. सम्बोधन वाक्य के आरम्भ में आता है। जैसे ——
हे भाई! मुझपर दया करो।

४. कर्ता और कर्म के बीच अधिकरण, अपादान, सम्प्रदान और करण कारक क्रमशः आते हैं। जैसे —

राम ने घर में (अधिकरण) आलमारी से (अपादान) मोहन के लिए (सम्प्रदान) हाथ से (करण) पुस्तक निकाली।

यहाँ राम कर्ता और कर्म पुस्तक के बीच में क्रमशः कारकों का 'में, से, के लिए, से का प्रयोग हुआ है।

५. प्रश्नवाचक पद या शब्द उसी संज्ञा के पहले रखा जाता है जिसके बारे में कुछ पूछा जाय। जैसे: —

क्या सीता सो रही है?

(ख) अन्वय अर्थात मेल

अन्वय में लिंग, वचन, ~~और~~ पुरुष और काल के अनुसार वाक्य के विभिन्न पदों या शब्दों का एक दूसरे से सम्बन्ध या मेल दिखलाया जाता है। यह मेल कर्ता और क्रिया का, कर्म और क्रिया का तथा संज्ञा और सर्वनाम का मेल होता है।

जैसे: — मोहन किताब पढ़ता है। (कर्ता और क्रिया का मेल)

'राम ने पुस्तक पढ़ी।' (कर्म और क्रिया का मेल)

गणेश और सुरेश पटना गये हैं, दो दिन बाद वे लौटेंगे।

यहाँ 'गणेश, सुरेश' संज्ञा के साथ 'वे' सर्वनाम का मेल हो रहा है।

वाक्य संशोधन और संरचना के और भी कुछ कई आवश्यक बातें ज्ञातव्य हैं जिन्हें अगले में देखेंगे।

11.5.20